

॥ ॥ श्वसिंधसिमाग्रदिनयूजाया
 चक ॥ नकिलिगाया ॥ अत्रागसखि
 यीयसुगु कामात्रीसुगु ॥ अद्रवा
 न युक्ता रुसिंनकचा, क्रोसख
 यीनचक ॥ चनसिंधसुगुहाउ
 उमस्वानन ॥ रुयस्वानन, वका
 वका, अद्रन, ययययाव, ना
 य, मालनान ॥

धनदवदनक्रिया, धनक्रिया
 तदावनकृयकन ॥ ॥

मालकास्यधिवरुग ॥ सिंकमि
 यूजायाकाव, आरुंठिकाराय ॥
 यनसिंधनक ॥ ॥ रुसिंधसि
 माससोकयाया ॥ ॥ वायुन
 यउमानकमिधनस्यनयिस्यन
 ॥ रुं अद्रवालाककल्या ॥ रुं अद्रा
 दि ॥ रुं यनिलिवा, सिंधवकास्य
 निशारुवल्या, सानिधयनियई
 नयउमानो, रुवदय ॥ ॥ नना
 रुदियदनिर्य, नना, रुसचयुषा
 य ॥ ॥ नना, रुसचलोकाती, नना
 रुस, थवय ॥ यउमानस्यरुहा
 यं, ययुयुगस्यवा, न्यवा ॥ रुदं रु
 सचयवानी, रुस, रुस, नमा, रुद ॥

॥ ॥ यावच्चन्द्राकमायुषा महीम
गिर्जलावह। गावर्तं सु चिलं कालं
क्लिन्नस्कायास्त्रिवा रव॥ ॐ क्लिवा
रववी युग्मसु ॥ यजमानस्य गृहं
लीरु गृह्यवर्गय निष्ठार्थं शुः
सिं गृहं क्लिन्नस्कायास्त्रिवा रव॥

॥ ॥ धिग्रदक्षिणमयक ॥ ॥
सरुं आग्रधिय निष्ठा ॥ य निष्ठा क
लन्या लीखनकाय ॥ ॥
गृह वा सु युजा या न सा धनं चाक
या द धर्मी न दास ॥ ॥

धनं कुं या द व द का र्क आ क नि वि
सं रु ॥ ॥ कुं या द व स य इ ग ॥
॥ ॥ वक्रा य दी उरु ॥ मा रु धि
वी मद्य रु द ॥ को मा यी ल्व का या ॥
वेष्टी ला का मा ॥ वा ला की लू सि
का टि ॥ ॐ न्द्राय दी ड न ग ल ॥ वा
मू ॥ संधर्ष ॥ म काल श्री ली य
धर्ष ॥ निवर्ष कि स्वा या ॥ रु व
व रु व वी ख ग ॥ रु व व स्व का
॥ श्री ल श्री स्व सिं ग य ध य ॥ स्व न
का श्री क ॥ रु ग व नी ध वि द ॥
य कु व क रु व नी का वि गूल ॥ यि
ना य म काल श्री म व स्व नी क इ
व ॥ ॥ च न्द्र सूर्य उ व स्व व

लख॥गंगमदि गुनि नियत्रियाय॥
कुमाग खनगवठ॥विनायक कं
चि॥नागं खदूरुग॥रुगवनि के
लाठ॥रुन्नाकादि दवगाठ इत
सकस सिइव साहन॥वक्राति
सुमरुध्वन गितारवाल॥यंचव
कु यंचाखाल॥वनीगियागिनि
ग्वारव ल॥वक्रा उवचचूक
॥विश्रु खवचचूक॥गिवथंसि
मा॥नकनु मूसि॥योग कारि
॥अननकदवगा सा॥नाग
खि॥रुथुकादि थाम॥अग्निना
मादिमलासि॥गिव लाया॥ग
कि अगवा॥यागिनी रुथुत्रि॥
गिव वायांथि॥गकि कयांथि
॥वायुदवगा लासा॥यदु रुं॥
यदुदी कूठ॥धम्म डमूनि॥
अधम्म नाथ॥धम्म नाथचा॥व
बुद्ध जलधन॥निम्मा ल्य चधु
वरवा॥ॐ ह्य वक्रायदी॥वंगा
कुं अग्नि मादुध्वनी॥वंकुलिङ्ग
यम॥यगा कामात्री॥नेमराव
सुवे॥याकुलि वबुद्ध॥यानाव
गाली॥वायवी ॐ ह्यायदी॥यं
कुलि कुवत्र॥यगा वामुद्ध॥
ॐ नमो महालक्ष्मी॥वंकुलिङ्ग

न कुमात्री ॥ यिकुलिसान गल ॥
या कुलिसान यागिनी ॥ यिकुलि
सान केन ॥ कंठि यागाल ॥ नल
मयमलल ॥ यमद सज्ज ॥ ॥
थानलेश्व लक्ष्यादान ॥ वक्रा ॥
आदि अष्टदिग ॥ ॥ यथा ॥
शकिल श्रील आदु विविय ॥
॥ ॥ यूष्ण ॥ कुंठि वल्लव
लुह विनी ॥ ॥ धन कुं यतिन
स आदु नि विय ॥ ॥ सगुल
गयक ॥ सरुं आत्र यिय निष्ठा
॥ आनी द्योद कुयान ॥ ॥
धन धन काव सखा दूति ॥ दशयादि
॥ दशवति ॥ ॥ निकयष्टिक आदु
नि ॥ ॥ काममूलतल ॥ यूष्ण
याय ॥ आससादिन ॥ यरु विमर्ज
नी ॥ ॥ यजमाना रिषक ॥
चन्दन सिन्दूर सगुल ॥ श्री द्योद
विय ॥ ॥ कोमात्री यूजायाका
व समयादि यूजाकाय ॥ लिहा
वल्लव चन्दनादि सगुल ॥ मोरु
नी खान आदु सुकाय ॥ समयरा
ई ॥ कल्लकावनी ॥ कल्लखवाय
इया ॥ ॥ निवदमनग
रुय निष्ठा विधि ॥ समाक ॥ ॥
उरुममु ॥ ॥

अथ चन्द्रयुगाध्वच द्वादशीमास
 कृष्णके। एतद्वाचसंयुक्तं लिः
 खिन्नयद्यनिमूढा॥ ॥

समुल

कृष्णमिश्राजा निवर्तकि युतिष्ठाक (म) ग्राम
 यद्वायद्वाही प्रालङ्का कृष्णि नागर्ष्य बलि
 जा

(म) मयलिग



कृष्णधनयावाय ॥

रामलरुल आदिर्घं युतिष्ठा (म)
 (थं) इजा ॥ कृष्णधनयावि (म) यरु
 कृष्ण ॥ ॥ ॥

ॐ कदाग ॥ ३ ॥ अथ जद न्य दधाति कामने
 वेतददा गोद भयमग सदिदि दत्युयति का
 दा र्कस्मा अदा र्का मादा र्का मा यादा र्का मा
 दा ता कामः युति ग्रहीता कामे नरु ॐ गिग
 देवगा या अति दिगति गदा दू र्ध्व देवगा अ
 तिदि अति देव या देवगा ० समिध सा दीपा
 माना ४ ४ ४ ४ य सी रुवती दं वे यस्मि न
 ज्मा वत्या दधति सदीप्यमान नुवधः ४ ४ ४
 यां रुवति ४ ४ ४ रुवे ४ ४ यां रुवति य नुव
 विधात्युति गृजाति गद्यथ समिध इक्षु
 या देवमगां इक्षामि ग्रामधी यत गदाति
 स्मादधीयं नातिदि ४ ४ ॥ १ ॥ ॐ सहस्र
 भाषा ॥ ३ ॥ निष्पत्सु त्रषा न्बुद्धादक्षिणः
 पूरुष धना राय धना रिक्षोति सहस्रगी
 र्षा पूरुषः सहस्राक्षः सहस्रपादि यान न
 धा ४ ४ ४ न धा ४ ४ कर्त्तवा ४ ४ सर्व ४
 सर्व पूरुषमधः सर्वस्याय सर्वस्या वरुध
 ॥ १ ॥ ॐ नाड न्ये मध्वना धी ॥ ३ ॥ अथ
 ना नाडा नाडु र्गा इक्षामि नाडा नावे नाष्ट
 र्गा र्क्ष दिनाष्टादिति ग्रम् नाडु देवगाः
 स्रगान् न न वनडने ननु ४ ४ अयमाना
 रुकितस्मा ४ ४ द्यापीता न न ० सवमनुम
 न्वन गारिन न् स्तयगडा स्मेवे नाडा ना ना
 स्रमनुमन्वर्क सनाडा रुवति ॥ १ ॥ ॐ आ
 वक्र न्या वक्र धिति ॥ ३ ॥ आवक्र न्या वक्र धि वक्र
 वक्षसिङ्गन्य ज्मा वक्र न्या वक्र न्य स्रन ४ ४ वक्र
 व्याधिमहान् ४ ४ ज्ञायना मिति नाड न्य नुवधे म

[illegible]

ॐ नमो अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
गतिवाचयामास ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
ननिवार्येवममर्कमिच्छा ॥ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
नायय ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
लय ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
सुखाभासकित ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
मन्त्रस्यदवरागासुषिर्गमयणीकृत्यादि ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
द्विनिर्गमग ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥
ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥ ॐ अस्माकं ॥

[illegible]

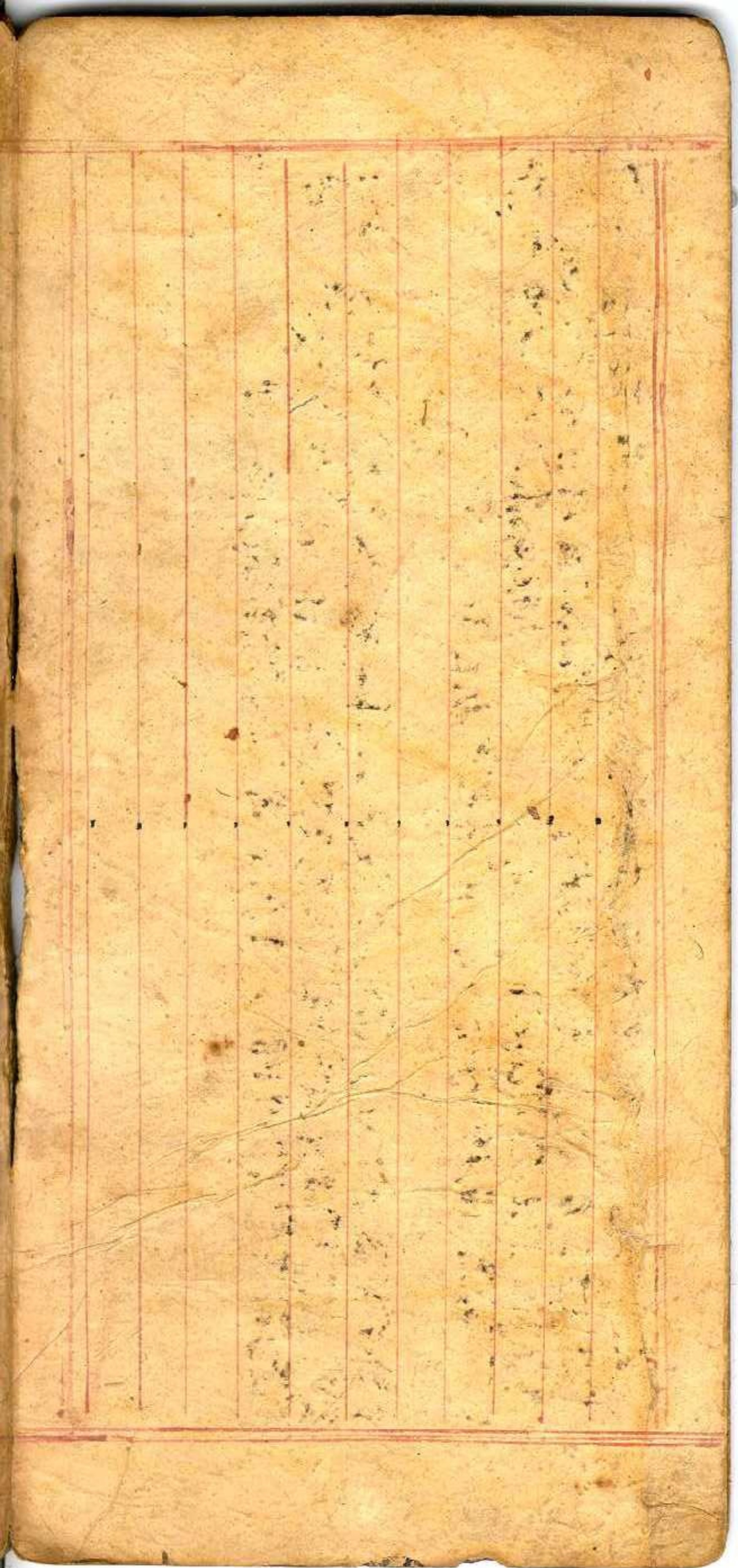
[illegible]

यनेवद्यादि॥ कीरुगावगक॥ दिव्यायनम॥ ॥ गगोत्तरेवृत्त॥ ॐ अँ अँ
 दिव्याय॥ ॐ गगवय॥ ॐ सातव॥ ॐ सात्कत्राय॥ ॐ सात्कत्राय॥ ॐ सुआये॥ ॐ
 गगोद्वाक॥ साय॥ ॐ आदिव्याय॥ ॐ सात्कत्राय॥ ॐ सुआये॥ ॐ
 सातव॥ ॐ दिवाकत्रय॥ ॐ सुवधुगमे॥ ॐ सुगा य॥ ॐ य॥ ॐ
 ॐ यय॥ ॐ कृष्णय॥ ॐ सैसव॥ ॐ मिमिगना॥ ॐ य॥ ॐ
 यन॥ ॐ दिवामे॥ ॐ निसय॥ ॐ किनधमगसिदिवा नाथाय
 ॥ ॐ अज्ञानमिमिगध्वसनेमकायागसिपमय॥ ॐ यागिद्वामरुठनाय
 यागमरुये॥ ॐ यथावायगेओवायाका॥ तमनयीचगन्मागा तमने॥ ॐ
 खखाकायद्विवायगेओम॥ ॐ सस्त्रिखत्तककुत्रिगुहा॥ तमनेमि
 लाचताय॥ ॐ वक्रविक्रिवात्तनेकस्रुकि॥ आनिभूयाय॥ ॐ सविनेत्वफ
 गनूजाया॥ नाथाय॥ ॐ मकाग्रयज्जगत्काज॥ रुनाय॥ किमने

तथेति॥ वां वृक्षाय॥ सा कृत्वमाय॥ को ह्रीं भनाय॥ ॐ व
क्ष॥ ॐ वृक्षाय॥ अनन्ताय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
य॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
य॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
य॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
वाक्कुर्मरुन्। कर्णमका नित्यव्यानिर्गुणाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
दत्त॥ दक्षाय॥ सप्तविर्ग॥ यमीद सर्वलोकेष्वय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
विद्या॥ ॐ वृक्षाय॥ स॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
जाय॥ ॐ वृक्षाय॥ स॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
कोय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥
तादक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥ ॐ वृक्षाय॥

नर्कयप्रियय ॥ कर्मदिययुगकर्मप्रियय ॥ ॥ गता कथाप्रत्यक्षक
नर्कालर्कयुगपुलाम्य वाक्प्रत्यक्ष नर्कविमर्कप्रियय ॥
॥ नर्कप्रिययुगविधि ॥ ॥ या अलिमानसाभाज्यक
॥ कर्मदिययुगकर्मप्रियय ॥

१०८ नमवृक्ष ॥ सगयानविधि ॥ यष्टेस्मिदिवसद्वयकर्मनिष्ठा न क
या ॥ ध्वगवम्कविधि ॥ यवाकक सगसुयकुम् ॥ यवास्तानमदुलादि ॥ नि
मन्कनविधि ॥ मलुलाकियुर्नकागय ॥ द्वागककुम् ॥



[illegible]

दगदाव खसि सुसिप कय कय दलगी भवक
कनभ कनभ मय पुलि काया उवाभव
गयग वथं वक्र सास्य निकवक इना ॥ ७ ॥
हक रति मगन सधु दावगा ॥ ८ ॥ नियक दुगा
हकाया ॥ ९ ॥ कस सलाव मयव दुलि कास्य
थवक सग निकवक विद्या उहमन हठ इ
ला ॥ १० ॥ उं नभो वि ॥ ११ ॥ मिगय उकि नारु मि
नी गन य पावेन अद काय दहा प्रसा विगति
अलाहा ॥ १२ ॥ धय रव यगा सय उलि सान म
हाले उहा ॥ १३ ॥ निउय नि सान यादा शक
ग धका गा उ प्रत्ये भान ॥ १४ ॥ विवाय दास
दधक पूजा याद विद मय सय कया दहा
काद मक इना ॥ १५ ॥ उं कलि कङ्गा लहा य
हं स्वाहा ॥ १६ ॥ धम नुन भान १०० जाय या दा
वस्या कद कस रानि विव ॥ १७ ॥ पावन ०
मै उका खया क सध दाव ग दिन दग दाव
थका याव प कान हि आरु न नया य हा गय क
वेनि वध ॥ १८ ॥ पुनि मयान धु गिक मि सथ
दरु कङ्गा सा पाग ७ इ कलि प्याय ॥ १९ ॥ जा
क कउ ॥ जाक वना प भयाव पुलि का कन
कन सनी जा मया क इना ॥ २० ॥ वक्रि य धिस
पुनिका ग या उ कउ ॥ वेजिन पुनिका क
न कै ठा क इना ॥ २१ ॥ जाकी प धिस ध पुनि
का थका ल सा दिन दहा रय य सै वय ॥ २२ ॥
धन उ पुनिका धि क निव सा दू द स क द दाय
क लिलि सा र पि श्रमा म स ख स्य मै स दा

दायक साहि उहाइय ॥ १५ ॥ गामुगुधुगु
निकागमाउ विजाल मोनूपति सुनोमसुग
सीगउलिमथं दायक लंरुसुत्रनागस
नका ॥ १६ ॥ धनुउगुनिका नथामेमेनेत ॥ १७
उपनपिनासथधनधममकायथयधनफ
लेधमशडिवरुनी ॥ १८ ॥ पाभिसरुयाभाद
नकायावधमुठकाना सुधद दिनस नागीस
मिचकडिवउरुसविमोइसा ॥ १९ ॥ धमुठि
काकसगयावजालमलाकइसा ॥ २० ॥
चकनदामसदायकावधमुठिका कुरुना
हाननवागचकननमपूकइसा ॥ २१ ॥
यूकाचिकनपुइवालसगयावधाकका
सगउठिकातनाजंगयावसासलिनपू
डावदानसकायमृगियायइसा ॥ २२ ॥
ॐ नमुठिकायागुठइसा ॥ २३ ॥ उंडाकोई
धौधौधौनमानमककमनववधभाद
नय ॥ २४ ॥ निकाइरुइइइइइइइइइइइइ
साहा ॥ २५ ॥ धमननधन ॥ २६ ॥ सुलिनाम
यादावकयकैकययइगुनिनगावजाका
यकनकायडाकनिउयकिसानयाहा
नासथइधमननुयायइसा ॥ २७ ॥ उंडनमा
नवचविमेषगायकोसुमकवसमाहनी
साहा ॥ २८ ॥ धमननधन ॥ २९ ॥ पाभिसरुयाभाद
नीउपनपिचकनववालिनवसुशकिचकैली
वसुमाहनीदिनपानधममखगानदूयि
नी ॥ ३० ॥ इयउइसा ॥ ३१ ॥ कान २० काइतसनामा

दा

[illegible]

१ वा घृष्टपाय घाघृष्टमूत्रं घ्राघ्रा घ्राघ्रा घ्राघ्रा
ग्रीमायनमः ४ वा घृष्टपाय घाघृष्टमूत्रं घ्राघ्रा घ्राघ्रा
घ्राघ्रा घ्राघ्रा घ्राघ्रा घ्राघ्रा घ्राघ्रा ॥ ॥ धमकुनधाना १०८
ऊयनिलानया पूजयत्यर्चनासधदन नाशयतु
ध ॥ २ ॥ ॥ ॐ सोमो ह्यं सोमो ह्यं सोमो ह्यं सोमो ह्यं
नदीनां यवननयत्यर्चनासधदन नाशयतु
पायमो घ्राघ्रा घ्राघ्रा ॥ ॥ धमकुनधाना १०८
काजयनयनासधदन यतु ह्यं ॥ ३ ॥ ॥ ॐ (सं
(सं) (सं) (सं) (सं) (सं) (सं) (सं) (सं) (सं) (सं)
ग्री ग्री वननु वीनाय साहू नदपाय ग्री
जां जां दे स्वाहा ॥ धमकुनधाना १०८ तवकाय
रुपा पूजयत्यर्चनासधदन यतु नासा ॥ ४ ॥
ॐ कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं
नायनमः ४ मममूर्खी ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री
दूहृष्टस्वाहा ॥ ॥ धमकुनधाना १०८ यनऊय
यनासधदन कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं कौं
॥ ५ ॥ ॥ ॐ ग्रीं ग्रीं ग्रीं ग्रीं ग्रीं ग्रीं ग्रीं ग्रीं ग्रीं ग्रीं
चैतं माऊन नृपाय दे दे दे दे दे दे दे दे दे दे दे दे
॥ ॥ धमकुनधाना १०८ यस्मिन्नऊययनासध
द नाशयतु ह्यं ॥ ६ ॥ ॥ ॐ स्वो स्वो स्वो स्वो स्वो स्वो स्वो स्वो
य ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री
धमकुनधाना १०८ किकि किकि किकि किकि किकि किकि किकि किकि किकि किकि
नय यतु वा वि ॥ ७ ॥ ॥ ॐ जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां जां
क ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री
न १०८ नृपाय कऊयनयनासधदन यतु सध ॥ ८ ॥

[illegible]

[illegible]

धनुकु लुङ्ग यजस (ग) या
 वन, कूट म मन नील मारु
 नी धन न चास्य गह न सं व
 चन द न सं व भ व स स त
 स्य स मरु म कु य कु सिद्धि
 का य पू या पू या हू त पु त
 ज कि नी या धन रु य म द
 न का रु या ॥ यत क ॥ ॥



卷二

धरुतुन उपरुस (भागव
 न के केम श्री खलेन वाया
 वे ताशा गय द्यु हे भवन न
 सखे तलनी न का प्रमर्न म
 जतव ॥ ० ॥

[illegible]

२५ हनु दुःख करोतु । गमयान्ते
मनवासी गलपकोट्यनीता । एक
कौसगयी भवने नृपचा तया दाम
गेन केन । का ध्य ॥



२५३
१०८४
१०८५

यच्चरुचयकं॥द्रुसकन॥सिंभमसूक
॥मगं॥अथवाग॥आदिनमालकावा
या॥

थकादिनखानयूजार्ति लाकाननधि
यकंन॥ॐ अथादि॥ॐ नमोस्त्वनका
यसकद्रुसूकय॥सकद्रुपादाकृतिना
यूवाकृत॥सकद्रुनामयूयूयाय॥सकद्रु
सकद्रुकाटीयूग॥अमि॥नमः॥ॐ अ
दिरागनिमद्रुलयादि॥ॐ शुद्ध॥भक्त
नित्यय॥दयादि॥ॐ सिद्धिबहुविरा
यम् ॐ लयादि॥केशवादिदाकासूक
रीधीयादिदाकागकय॥नमोनामा
यस्य॥यजमानस्ययूगजातादक्षाय
छियागभञ्जननिमिरुयूवासाजनीसम
व्ययामि॥॥यूजाकागालषाकृदास्यल
लवकाय॥नमोवाकृदासकेशवादि
कलभञ्जनयाय॥ॐ अथादि॥यज
मानस्ययूगजातादक्षायछियागभञ्ज
ननिमिरुदुरुदुनवअद्यनमः॥
वका॥ॐ अ॥नमवप्रवाचयामहिसा
ऊकअथवाविराचभा॥दुरुदुनाग

वसावाजमुक्ता न्यक्तसिद्धाष्टकव॥
 दूराह॥ ॐ अ॥ गगवधवावरा॥ नि
 धूमावा अस्याधयावरा ४ स ऊनमम
 षिं न्ना कंधावरा विमरिडाजकम
 चयाविरावस विगिमरुद्राजकम
 चययरुवस विरुद्रुद्रा नागवसा
 वाजमुक्ता मिरुक्त दत्तासिद्धाष्टक
 व॥ निरयजमाना वेदास्वान्यक्तसिरा
 जमानाय॥ ॥ ॐ अग्निमूद्रादिव४
 ककुत्यनि४ यथिव्या अर्यं। अया ५ म
 ना ५ सिद्धिनि॥ दूराह॥ ॐ नव
 वधवनिरायथयार्चकल्याणीवम
 मूद्रायमाना वेत्तमस्यनवेत्तमव
 सा ३ अ॥ सि॥ वृद्रुद्रा नवनम४॥ ॥
 न्यासादि गायत्रीमन्त्रेन॥ अथयानः
 पूजनं॥ ॐ यमीथनियचयनिहका
 रुक्मानिर्वाणि४ शनया ५ सरुमयाउ
 नवधनानिनमसि॥ ॥ अथद्वय
 जनं॥ चन्दनयूषादिरि४॥
 आसनीदत्तासत्तथा॥ ॥ गगोद्वावाच
 ॥ ॥

सुनेन

वद॥ ॐ ग ता यामि व द्र द्ध व न्द मान रु
 दा भा स्य ज माना रु वि रि ४ अ रु उ मा
 ना व य (६ रु वा धु न १ ७ ८ स मान आ य
 ४ य मा यी ४ ॥ ॥ ॐ ल म (न ३ रि ल म
 ७ ७ द्ध मि ल म ३ म ३ न स्य वि। ल व न
 स ल म मा य वी स ल न्द ध न्द य न जा य
 स ७ ७ चि ४ ॥ ॥ ॐ द व स्य ल्हा स वि ७ ४
 य स व चि ना चो द्ध र्था य द्ध रु स र्था ॥
 ॐ आ यो अ स मा न य ४ ७ न्द य लु द्ध न
 न ना च न य ४ य न लु। वि वि ७ ७ रि वि
 य स्य व रु नि द वी वृ दि द्वा स ४ ७ चि
 मा य र न मि ॥ ॥ ॐ ग ध न्द ना ल ग ल
 य नि ७ ७ रु वाम रु। यि या ध ल्हा यि य य
 नि ७ ७ रु वाम रु नि धी ना ल्हा नि धि य नि
 ७ ७ रु वाम रु व स मा म म। आ म रु जा नि
 ग र्ध मा ल म जा सि र्ग गे ध म ॥ ॥
 ॐ द रु स्य ग अ नि य द्ध र्था अ रु श्र म
 दि रा नि क ७ म ज न व। य द्ध द र द्ध
 व स म ग य जा ग न य स मा स द्ध वि र्ण (५
 दि चि ग म ॥ ॥ ॐ च ल्हा वि ७ ७ द्ध अ य
 अ स्य या द्ध र्था य स य रु स मा स अ स्य
 । वि धा व द्ध द्ध र्था य वि नि म द्ध द्ध
 मा म र्था अ वि व र्ण ॥ ॥ ॐ द्ध यो द्ध
 वी र्ण न स्य वि (५ व ग द्ध न्द अ (न ७
 वृ य र्ण अ म्ना य स मा ना ४ ॥ ॥

ॐ ह्रीं नमः ॥ ४॥ सततं वरुणा ॥ गरुडगण
जाग ४ यमि नमः ॥ आसीत् ॥ सदा धर्मयधि
वीं शान्तिमनमां कस्मिन् दवाय रुतिषा वि ॥ ५
म ॥ ॥ ॐ सत्यं सत्यं ४ यमि ह्रीं ४
नमः ॥ सत्यं सत्यं ४ यमि ह्रीं ४
सका ४ सत्यं ४ लाकमी यमि ४ यमि ४
अस्य ४ सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४ ॥ ॥ ॐ वरु
यज्ञानं यथमं यमि ४ सत्यं ४ सत्यं ४
तेन ४ सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४ सत्यं ४
सत्यं ४ यमि ४ सत्यं ४ यमि ४ ॥ ॥ ॐ
विष्णु ४ सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४ सत्यं ४
४ सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४ सत्यं ४
सत्यं ४ ॥ ॐ नमः ४ सत्यं ४ यमि ४
यमि ४ सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४
म ४ सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४
आत्मा रुनादि चन्दनाद्यं यमि ४ ॥ ॥
ॐ नमः ॥

॥
नमः ॥ सत्यं ४ यमि ४ सत्यं ४
ॐ नमः ४ सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४
सत्यं ४ सत्यं ४ यमि ४ सत्यं ४
नमः ४ ॐ नमः ४ सत्यं ४ यमि ४
नमः ४ ॐ नमः ४ सत्यं ४ यमि ४
नमः ४ ॐ नमः ४ सत्यं ४ यमि ४
नमः ४ ॐ नमः ४ सत्यं ४ यमि ४
नमः ४ ॐ नमः ४ सत्यं ४ यमि ४
नमः ४ ॐ नमः ४ सत्यं ४ यमि ४

नमः॥ ॐ मधुसूदननाथधर्मिसहिनायन
मम॥ ॐ निविष्णुमायस्त्रिसहिनायन
मम॥ ॐ वामनायधर्मिसहिनायनमम॥
॥ ॐ श्रीध्वजनाथमहासहिनायनमम॥ ॐ
द्वयीर्कमहायमायसहिनायनमम॥ ॐ
यक्षनासायधामनासहियोगानमम॥
ॐ कामाक्ष्यायमहिमासहिनायनम
म॥ ॐ यूगध्वजमायलक्ष्मीसहिनायन
मम॥ ॐ ॥ गंगाधाम ॥ ॐ अष्टवाक्य
धर्मविष्णुलक्ष्मीवामनासहियोगानमम॥
वगदांशरितं चक्रचैवयुद्धदि॥ ६॥ कल
सिद्धयर्थं नालं यूद्धकं वामनासह
॥ वक्रवक्रं विलोमं ॥ ६॥ छन्दस्त्रिक
र्गनिरु॥ सद्यदेव्या नर्कदत्तं आयदि
रुल्लयदं ॥ ॐ निश्चान ॥ ॥ गंगाध
मनायुद्धनं ॥ ॐ दिवावाविष्णुदगव
॥ धिवायमहावाविष्णुदमात्रनविष्णा
॥ ६॥ इराहिरुमावसूनाय ॥ ६॥ स्वायय
कुदक्षिमादामसद्यादिष्टवत्वा ॥ ॐ
श्रीध्वजनाथ ॥ ६॥ श्रयन्तावकात्राय ॥
॥ ६॥ नन्दगामिषयमस्त्रिनीया ॥ ६॥ ॐ
निष्ठासमसमयिषा ॥ ६॥ सद्यत्ताकमयि
मा ॥ ॥ ॐ विष्णु ॥ ६॥ कमा ॥ ६॥ श्रय
यमायुगा ॥ ६॥ नियम ॥ ६॥ ॐ नन्दययु ॥ ६॥
सखा ॥ ॐ नन्दययु ॥ ६॥ नयनीयवायु

(५) गच्छतु न । रास्तेर्विवाद्गु । (६) विद्या
 मस्य दत्ता अस्मिन् । (७) ॥ २ ॥ ॐ युगद्विषु
 सुवर्तनीया हाम् । (८) नरीम ४ कुचम
 निविष्टा ४ यस्या नूयु विष्टु विष्टु म । (९)
 अतिद्विष्टु यन्ति कुवना निविष्टा ॥ ॐ
 यादवस्य आगय निरादवानां यूपी
 हिम ४ यूपी यादवस्य जातानामात्र
 रायवाद्गु । (१०) ॥ ३ ॥ ॐ अग्निमन्त्र
 सितिष्टु वत्ता सामस्यमन्त्र सितिष्टु
 वत्ता नि । (११) यानि धूमसितिष्टु वत्ता ।
 (१२) नारात्ता सामरुग विष्टु वत्ता मन्त्र
 यत्ता रायस्या यद विष्टु वत्ता ॥ ॐ य
 जायमिष्टु मन्त्रिगर्भ अन्तमन्त्रा यमा
 नावद्गु मन्त्रिजायते । रायमन्त्रि
 यिष्टु मन्त्रिजायते । रायमन्त्रि
 निविष्टा ॥ ४ ॥ ॐ ॐ दं विष्टु विष्टु
 वत्ता नि । (१३) यदं । समरुमन्त्रा ५
 वत्ता ॥ ॥ ॐ वदार्कमन्त्रा यमन्त्र
 नमादिष्टु वत्ता मन्त्र ४ यमन्त्रा
 मन्त्रा विष्टु वत्ता नि । (१४) यमन्त्रा
 न्द्रा विष्टु वत्ता नि । (१५) ॐ मन्त्रा विष्टु
 जायमन्त्रा अन्त्रा यमन्त्रा ४ मन्त्रा यमन्त्रा
 यमन्त्रा यमन्त्रा यमन्त्रा यमन्त्रा ४
 ॐ अग्निमन्त्रा यमन्त्रा यमन्त्रा यमन्त्रा
 यमन्त्रा यमन्त्रा यमन्त्रा यमन्त्रा

स्वाविदधयमनिम मस्यस्यदवत्तम
जानम।ग्र॥३॥ॐ श्रीगणेशाय नमः
मविष्णु।ग्राया अनास्य४।अनापमो
निधमयन॥ ॥ॐ श्रीमोक्षराम
नमिष्णुमादि॥ॐ श्रीगणेशाय नमः
व।अय॥ॐ श्रीगणेशाय नमः
यनिनारयमरुगमोरुगमय॥॥ॐ
हृष्टास्यारवमशानयताइष्टयादा
मिवदिमसिवदिमताइष्टयादा
मिवदिमसिष्णुस्यताइष्टयादामि
॥ ॥ॐ श्रीगणेशाय नमः
नासिधरु।सत्त्वमनिवेष्टानम॥ॐ
यथमंगलस्यताइष्टयादा॥ॐ
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ममसीनिगमायधमधरायीसर्वा
दि॥ॐ श्रीगणेशाय नमः
॥ॐ श्रीगणेशाय नमः
४सकमुपाय।सरुमि॥सर्वगस्य
हृष्टास्यनिष्टदम॥ॐ
अनय४समस्तगामयियनिसम्राग
स४समस्तगामयियनिसम्राग
समिग॥ ॥ॐ श्रीगणेशाय नमः
विष्णु४समस्तगामयियनिसम्राग
सिनिनवमसिनिनवम॥ॐ
दवीमायाअ।ग्रयवाअ।ग्रयवाअ

ममद्ययङ्गनयगा।प्रयङ्गयनि०सूध
उंयङ्गयनिदवयूतम॥ ॥ॐ विष्णु
कंवीश्वोभियवाचय०याथिवा नितिम
मयजा०।सि।याअरुकरायदुरु०
सधरुमिचकुमा०।मि०।(धमगुगयावि
वैवत्वा॥ ॥ॐ आवाकतास०मरुव
मंययययधम।आवाकतासआनिवा
यङ्गियायाकवामरु॥१०॥ॐ डग्रवि
श्रविकमस्वाग्रुकायायनरुधि।युग
घनयानयितययययङ्गयनिनिम
स्वाक॥ ॥ॐ अश्विदायू।गमदायूध
नदायूमरुकाधने।धनीमइयनाने
विसर्वका।मोयदहिम॥११॥ॐ यम
यनवद०सर्वयङ्गययचरायाम
।डगाममलस्य०।नोयदनेनानिवा
रुनि॥ ॥ॐ यद्वाननययडग्रयय
द्वियमसमरुव।ममरुउसियद्वानि
यनसोखीलरास्यरु॥१२॥आवाकनमि
॥

तगागग्रुजादिनामुयूजय०।गद्यम॥
ॐ गग्रुजाय०॥ॐ मद्यय०॥ॐ चक्र
य०॥ॐ नीखाय०॥ॐ मधव०॥ॐ
यूष्टकाय०॥ॐ यद्वाय०॥ॐ दयम॥

[illegible]

ॐ ह्रीं ध्यागुरु ४ समतर्कना । ग्ररुत
 ह्यजान ४ यनिगक आसीत । सदाध
 यय धिर्वाद्यामृतमां क संयवायक
 विष्ठाविधम ॥ ॥ ॐ समित ॐ सद्
 ल्य ॥ ॐ सन्धि याया विष्णु सूननस्य
 मानो । ॐ स्रमूक मरि सन्धमा नो । स
 म्माना ॐ सिसन्धमा सम चितो न्या क
 यम् । अग्नेयमीषाधियारुत त्वन्न ॐ
 स्रमूक यजमानाय । धदि ॥ ॥ ॐ
 आजिद्यकलाम्मश्चात्ताविहान्तिन्द
 व ४ यनयूक निवरु स्वसान ४ सरु
 मं धृक्षा वृक्ष गायय स्वगीयनम्मा वि
 णाद्वयि ४ ॥ आवाकनादियन्द
 नाकनयूषीनम ४ ॥

तनाद ४ ला कयालयूजन ॥ ॥
 ॐ ॐ न्याय २ ॥ ॐ अगय २ ॥ ॐ यम
 य २ ॥ ॐ नेम तय २ ॥ ॐ वयूधय २
 ॥ ॐ वायव २ ॥ ॐ कव वाय २ ॥ ॐ
 ॐ न्नाय २ ॥ ॐ विष्णु व २ ॥ ॐ व
 क्र ६ २ ॥ ॥ वद ॥ ॐ गानात्रमि
 द्यमवितात्रमिन्द ॐ रुत रुत सूरु
 व ॐ सूरमिन्दम् । ह्यामिगक यूर

श्रीगद्यगयेनमः । आकरा

दूतमिन्द्रं सस्मिनामद्यवाधालिन्द्र
४॥ ॥ ॐ अग्निर्मूर्धादिव४ककुत्प
नि४व धिवा अर्यं । अथा ॐ गमा ॐ सि
जिन्वति ॥ ॥ ॐ यमनदलं विन न
नवायूनगिन्द्रनीयथमा अश्वनिष्ठन
। गंधर्वा अस्यावसनामगृहात्सूत्रादहो
वसवानिबनय ॥ ॥ ॐ यनं यवीनि
मृगिवावतन्ध्या । मृदावास्तविचिह्नम्
। गन्धर्विष्याम्यायूषानमश्वाद्यथेगः
मिथुमद्विप्रसूत४नमारुह्येयदं च
काय ॥ ॥ ॐ ॐ मम च वृक्षे धीरु
वमद्याचम्ययत्नामवसूत्रायक ॥
॥ ॥ ॐ गवतायवृक्षस्यनेत्वृक्षम
गवदुग । अथा ॐ स्यावृक्षमरु ॥ ॥
ॐ कविर्दंगयवमकायवक्रिद्यथ
मान्ननपूर्वचिपूर्य । ॐ रुद्रे श्रीरुद्र
हिराजना निरावहिषानमडकिंयै
जनि ॥ ॥ ॐ अरि त्वा गृहना नूमा
दृग्मा ॐ वधनव । ॐ श्रीभनमस्यजगत्
४स्वदेहामीभनमिन्द्रगस्तुष ४॥ ॥
ॐ श्रीनियदाविवेचमविष्णु (मया
अदास्य४ अनाधर्मा सिधायन ॥ ॥
ॐ वदन्नासने त्वमस्ययन्कासूके स्यवा

भित्तनयंचजिन्ना। विष्णुनद्रुद्रययतकिद
वावुरुद्रमविद। (धसूवीगा॥ ॥
आवाहनादिचन्दनाद्यगयूषीनम॥

नग४यश्रुलाकयालयूजनं॥ ॥
ॐ गद्यनय२॥ ॐ दूजये२॥ ॐ वा
यव२॥ ॐ आकाशय२॥ ॐ अग्निना
कूमागयनम४॥ ॥ गतावद॥ ॐ अ
न०० नृपुणरुन्नस्माकमद्दमागहि
। मरुत्तमरुत्तितृनिदि४॥ ॥ ॐ ज्ञान
वद॥ ॐ नवामसामसममतीश्वरानिद
रुनिवद४सन४यविषयनिदूजनि
विष्मनाववसिन्धूद्रविनायनि॥ ॥
ॐ काष्ठागिष्ठमहिना० हिनागतस्य
यादिवम्। विष्मयविकृतादिवम्॥ ॥
ॐ आदियुक्त्रथ४सूयांनियन्धतिवा
सस४यश्चनजावदनिपमादददिव
सि॥ ॥ ॐ नृषाडमाश्रयूषास्यकुमा
उययादिवम्। उष्वामसिनावदू
॥ ॥ आवाहनादि॥ ॥

नगाश्रयादियूजनं॥ ॥ ॐ अश्वान
म४॥ ॐ नृजसेनम४॥ ॐ वायवनम

१५ मनामसि

[illegible]

नमोऽयुग्मद्वयूजनं ॥ ॐ युग्मयनमः ॥
 ॐ ध्रुवो नमः ॥ ॐ मन्त्राय नमः ॥
 ॐ स्वर्गय नमः ॥ ॐ मरुत्तिकाय नमः
 ॥ ॐ जनलाकाय नमः ॥ ॐ नयलाका
 यनमः ॥ ॐ मरुत्तिकाय नमः ॥ वद
 ॥ ॥ ॐ अक्षमो जाय कि न वं रुमाया

दिनवदहीकुमायेकल्यिनीद्यायगाया
धिकल्यिनमास्तुत्यायसरुक्तनम
त्यव(गमवाचुकमनकाय(गमद्यागंदु
(धयागमविदुक्तमंरिक्तमाधुडयति
हनिद्रस्तुगायचनकाचायायायन
सेलगम॥ ॥ॐयधिविदवयडंन्या
सध्यास्तुमूलमाहिॐसिधंवुडंगक्त
(गमद्यानवषडुनेओवधनदवसति
नयनमस्याम्यधियाॐ॥ननया
(नीयोस्मान्दस्यिचकुवयन्दिष्मस्त
मनामामोक्त॥ ॥ॐअवरुधनि
चम्यहनिचवृत्रसिनिचम्यह॥४॥अ
वदवदवकुतमनायासिधमवम
होमहोक्तमंयूत्रायादवविषस्य
हि॥ ॥ॐनकस्मिस्वाहास्वाहाॐ
स्वाहा॥गायस्वाहा॥क॥गायस्वाहा॥
यूयोस्वाहास्वजयस्वाहा॥ ॥
ॐसरुमस्ययमासिसरुमस्ययनि
सिसरुमस्यामासिसारुमासिसरु
मायत्वा॥ ॥ॐआयययनकल्य
गाॐस्वाहाया॥४॥ययनकल्यगाॐ
स्वाहायानाययनकल्यगाॐस्वाहा
या॥नाययनकल्यगाॐस्वाहा॥नाय

इ न क ल्या गा ॐ स्वा हा स मा ना य इ न क
ल्या गा ॐ स्वा हा च द्र यो इ न क ल्या गा ॐ
स्वा हा ध्र ण य इ न क ल्या गा ॐ स्वा हा र्म
य इ न क ल्या गा ॐ स्वा हा वा ग्य इ न क
ल्या गा ॐ स्वा हा म ना य इ न क ल्या गा
ॐ स्वा हा त्मा य इ न क ल्या गा ॐ स्वा हा
व द्मो य इ न क ल्या गा ॐ स्वा हा आ नि
यो इ न क ल्या गा ॐ स्वा हा स्व यो इ न क
ल्या गा ॐ स्वा हा य षं य इ न क ल्या गा ॐ
स्वा हा य क्ष य इ न क ल्या गा ॐ स्वा हा ॥

॥ ॐ आ च्छु च्छु न्द ४ य च्छु च्छु न्द ४ सं य
च्छु न्दा वि य च्छु न्दा वृ ह च्छु न्दा य थ न म
च्छु न्दा नि का य च्छु न्दा वि व ध च्छु न्दा नि
व च्छु न्दा उ त्त च्छु न्द ४ स ॐ मु च्छु न्दा नू
द च्छु न्द ए व च्छु न्दा व वि व च्छु न्दा व य
च्छु न्दा व य ह च्छु न्दा वि षा द्वा च्छु न्दा वि
म ली च्छु न्द च्छु दि च्छु न्दा दू मा रु हा च्छु न्द
स न्द च्छु न्दा अं का ङं च्छु न्द ४ ॥

ॐ मा च्छु न्द ४ य मा च्छु न्द ४ य नि मा च्छु न्दा
अ णी व य च्छु न्द ४ य कि च्छु न्द ड षि क
च्छु न्दा वृ ह मी च्छु न्दा नू द च्छु न्दा वि गा ठ
च्छु न्दा ग म य नी च्छु न्द मि दू च्छु न्दा उ ग र्म
च्छु न्द ४ ॥ ॐ य धि ती च्छु न्दा इ न मि

१० नाय आदि राथिउ (थेच नुमा ४ प के म प उ ४ ४४ म ग ४ ४ म प म ४ ४

कृच्छ्र न्या शो शुद्ध ४ समा शुद्ध न्या नद गति
कृच्छ्र न्या वा कृच्छ्र न्या मन शुद्ध ४ कृच्छ्र न्या
न्या दिग्बन्ध कृच्छ्र न्या गो शुद्ध न्या ३ जा शुद्ध
न्या शिच्छ्र न्या ४॥ ॥ ॐ अग्नि देवता वा
गा देवता सूर्या देवता चन्द्रमा देवता
वसुदेवता वृद्धा देवता दिव्या देवता
नाम देवता देवता विष्णु देवता देवता
वृद्धा देवता देवता देवता देवता देवता
देवता ॥ ॥ ॐ सविता यथ मरुत
विद्विनायका यैरुहस्य निग्रह ममि
वानवमवतु ॥ ॥ ॐ नमो नमो
नमो नमो नमो नमो ॥ ॥
आचारुनादि चन्द्रनायक मयूषी २॥

नता वया दियूजन ॥ ॥
ॐ म (ग्य दाय नम ४॥ ॐ यशर्व वदा
यनमः ॥ ॐ साम वदाय नम ४॥ ॐ अ
थर्व वदाय नम ४॥ ॥ वद ॥ ॐ अ
ग्निमीठयूनादि नय रुहस्य देवमक्ति
। रुता गीत नम ४॥ ॥ ॐ नमो नमो
ऊँ लावाय वरुह दवा व ४ सविता याच
यउ (ग्रुह नमाय कर्म ल आयाय
धमन्ना ॥ ॐ न्याय रागीय जावनी नम

४४ म ग ४ ४ म प म ४ ४

मीताश्रयश्चासावस्तेन ॐ श्रीगणेशाय
नमः साधुवाश्रुमिं गायत्रीस्यार
वक्ष्ये यजमानस्य यज्ञन्याहि ॥ ॥
ॐ अग्न आयाहि वीतरागं हानां रुवा
दातय ॥ निरुतासच्चित्तिहि सि ॥ ॥
ॐ जनादवीरिष्ये यथाचारुवनु
पीतय ॥ गीतात्रिभुवनं नमः ॥ ॥
आवाहनादिचन्दनाद्यनयूष्यं ॥
॥ ॥

नमः कलशयूजनं ॥ नमः ॥ ॥
ॐ वक्र ॥ १ ॥ ॐ विष्णवे १ ॥ ॐ नि
वाय १ ॥ ॐ पूर्वसमूदाय १ ॥ ॐ
दक्षिणसमूदाय १ ॥ ॐ पश्चिमस
मूदाय १ ॥ ॐ उत्तरसमूदाय १ ॥
ॐ संपूर्णकलशाय १ ॥ ॐ गंग
ये १ ॥ ॐ यमानाये १ ॥ ॐ सप्त
ये १ ॥ ॐ नमः १ ॥ ॐ निविष्टा
१ ॥ ॥ गतावेद ॥ ॐ वक्रयज्ञानं
यधर्मयुक्तं ॥ द्विसीमनः १ ॥ सूत्रावे
न आत १ ॥ सवृक्ष १ ॥ डयमा १ ॥ अय विष्टा
१ ॥ सग १ ॥ यानिमसग १ ॥ विष्टा १ ॥ ॥
ॐ विष्टा १ ॥ गता १ ॥ ठमसि विष्टा १ ॥ भूय १ ॥
विष्टा १ ॥ संपूर्णसि विष्टा १ ॥ वासि १ ॥ विष्टा

वमसि विष्णु वत्ता ॥ ॥ ॐ नमः ४५ ॥
वायवमयारुवायवमम ४५ ॥ कमा
यवमयस्तुवायवमम ४५ ॥ निवायवमि
वतवायव ४॥ ॥ ॐ समुद्र ४५ ॥
४५ ॥ लिखितमस्तु ४५ ॥ नाना यनिग
मीषमाना ॥ ॐ न्यायावजीवितरु
वमाजठ आयादवी विरुमारुवित
॥ ॥ ॐ समुद्राय त्वावागायस्तु
सविवाय त्वावागायस्तु अनाध
याय त्वावागायस्तु यनिधुया
यत्वावागायस्तु अयस्यवत्वावा
गायस्तु निमिदाय त्वावागायस्तु
४॥ ॥ ॐ समुद्राद् मिमधुमा
इडदायदया ॥ ॐ समनाममनत
मानठ ॥ यनस्य नामगुर्कयदमि
जिह्वायवानाममनस्यनारि ४॥ ॥
ॐ समुद्रनदयमस्तु नमस्तु वि
गन्धाधवायगाय ४५ ॥ यस्तु त्वायस्तु
यनस्तु काकोनमावाकविधमय
त्वा ४॥ ॥ ॐ आडियकलमीम
स्तु त्वाविगन्तिन्यव ४५ ॥ यनस्तु
वरुखसान ४५ ॥ सुन्धुकोयुधवा
यस्तुगीयुनमोविगतादुयि ४५ ॥ ॥
ॐ यस्तु नश ४५ ॥ सवस्तुगीमयिरानिस्तु

प्रांतसंशसंस्वतीउपचक्षसाद(रुव
सत्रिगु॥ ॥ॐ॥संमगी(गयमूनस
नस्वतीउदुदुक्षमीगानधवगुन्मअनि
सामुत्तस्वयाजीकीगानर्याउसामया॥

॥ ॥ॐ॥सितासितसत्रितयनुसंगमनर्ष
युतासादिवमूत्यननि।यवेतनातिस
अनिधीगामवेकनासाअमनलरुज
ने॥ ॥ॐ॥उपद्वत्रिगीध॥ॐ॥गमच

नदीनामधियावियाअजायत॥ ॥
आवाहनादिवन्दनाकनयूर्य॥ ॥

॥ ॥
नगानवग्रहयूजन॥ ॥ॐ॥आ

दित्यायन्नीध्वारायअनियस्यधिते
वगायनम॥ॐ॥सामायडमारयअपय

स्यधितेवगायनम॥ॐ॥अंगगायकः
न्यायद्विनियस्यधितेवगायनम॥

ॐ॥वृक्षयनागायध्वारायविष्णुस्य
धितेवगाय॥ॐ॥दुरुस्यनयवृक्ष

(स०००)द्वयस्यधितेवगायनम॥ॐ॥
उकाय॥काय॥वीन्यीयस्यधितेव

गायनम॥ॐ॥नीध्वाराययमाय
यजायस्यधितेवगायनम॥ॐ॥ग

रुवकालायस्ययस्यधितेवगायन

म०॥ क० त० त० त्रिगुण फाराव द्वाय यधि
 देव गायन म०॥ ॐ न मनस्य म० यि
 स्था हि व० ध० गरु य यधि देव गायन
 म०॥ ॥ व० ॥ ॐ आरु सु न म० उ
 सा वरु मा ना नि व० ग० य न म० नी म० ह्य
 ॥ हि व० ध० य न स वि गा य० ध ना द वा
 जा नि उ व ना नि य० ध न॥ ॥ ॐ शु
 म्ब क० य जा म रु सु ग म्बि य० हि व० ध न
 ड व० ग० क मि व० व० ध ना न० ह्या म० द्वा
 य मा म० गा न॥ शु म्ब क० य जा म रु सु गी धि
 य नि व० ध न ड व० ग० क मि व० व० ध ना दि
 ना म० द्वा य मा म० ग॥ ॥ ॐ अ० नि० दू० रं
 य० गा द० ध रु व० वा रु म० य० व० व० द० वा ३
 आ सा द० या मि रु ४॥ ॥ ॐ ०० म० न्द
 वा अ० स० य० त्र ० सु म० रु धं म० रु न० द० क० ग०
 य म० रु न० धे द्वा य म० रु न० जा न० ग० अ०
 य न्द० स० न्दि या य० ०० म० म० म० म० य० ग०
 म० म० य० ग० म० स० वि० ग० व० व० मी० ग० अ०
 सा मा ३ सा क० म्बा क० ध ना ० ग० अ० ॥ ॥
 ॐ धी० धी० म० ल० द्वा० धी० य० न्वा० व० रु० म० व० य०
 ॥ धे० न० द० क० ग० मि० त्र० य० म० धि० नी० द्वा० रु० म० ००
 द्वा० नि० द्वा० ध० म० म० यि० द्वा० ध० स० व० लो० के० म०
 यि० द्वा० ध० ॥ ॥ ॐ अ० य० क० न० म० न० म० म०

रुच्यजसयामगयगमिष्वधरुच्यगवा
जिनीशदवीगायायावडुमि८यनूरिः
ककुमात्वाजसासुनायमाज८सन
॥ ॥ ॐ अग्निमूढादिव८ककुत्यनि
८यधिवाअर्य। अया८गना८सिजिन्व
नि॥ ॥ ॐ यदुकन्य८यधर्मजायमान
उद्यत्समूदादूवेनेयगीआन्। ॥ अतस्य
यद्वाहमिहास्यवाद्दुयमुस्यमहिजा
गन्तुअवन्॥ ॥ ॐ ह्यानायधिगीना
रुवान्द्वगानितगनि। यस्तुन८मर्म
स८यथा॥ ॥ ॐ उद्गुक्ष्माग्नयति
जागृह्णित्वमिष्टायूरेस८स८जथामय
॥ अस्मिन्सधस्तुअधुस्तुमिन्निष्ठ
दवायजमानस्थसीदन्॥ ॥ ॐ वि
क्ष्माग्नमसिविष्मा८मयस्तुविष्माः
स्यमसिविष्माद्वासि। वेष्टवमसिविष्म
वन्वा॥ ॥ ॐ ॐद्विष्मविचक्रमन्
तानिदधयदम्। समूरुसस्यया८सू
य॥ ॥ ॐ वृहस्पतेअग्निअदयाअर्हो
अमदिरुगिक्कुमकुनयू। यद्योदय
कवसमगयजागमदस्मास्तुविष्म। ॥
हिरिगम्॥ ॥ ॐ आवक्ष्मावक्ष्मा। ॥
वक्ष्मावक्ष्माजायनामावा८माजन्त्य८

वः॥ शान्तिवाधिमहात्र (ध) जायनीयाग्वा
 (ध) नूवा धानशानासूमफियूर्यधिर्योवा
 डिस्त्र (ध) ॥ सरुयायूवासायजमाः
 सावीत्राजायनी नि कामनि कामनः४५
 योन्यावर्षयुरुलव स्थानडासधयय
 शर्कीयागर्कमानकल्यगी ॥ ॥ॐ॥

न्य आसा न्यामा वृहस्य निदं द्विष्टा यद् ४
यूय नृशु सामश दतस्य ना नाम कि रूज
नी नां ऊय नी ना नृमा ऊ ना ग्यं ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वदन्तं यय ४ सामं यज्जायनि ४ ॥ मग्न
 सत्यमिन्द्रियं वियान ६ ॥ शुक्रमन्य
 स ० ० न्यस्य न्दियमिदं ययाम नमम
 ॥ ॥ ॐ सखाया ० ० न्यस्य ग ॥ ६ ॥ मम

दि० ४ भासं पितृवृक्षान्धलविद्या
 न। अदिगर्गयम। (अ) नूयस्वाथ
 रुर्यं द्रुध हि विध्वनान॥ ॥ ॐ ॐ
 न्यदवाधि। (अ) मयूगानूवत्माना रुर्य
 नय। (अ) न्यदवाधि। (अ) मयूगानूवत्माना
 मोरुन। अत्रमिमयउमानंदवीध्वविर्ग
 मानूषीश्चनूवत्मानारुवन्तु॥ ॥ ॐ
 गन्नायतीवक्रिययआधारुवन्तुपीन
 य। (अ) अत्रमिमयउमानंदवीध्वविर्ग
 ॥ ॐ ॐ

मनदलं गिरा ननवायून गिरि नन
युधमा अश्वनिष्ठग। गन्धर्वो अस्याग्रसर्त
मग्नकात्सूमादहीवसवानिग्रनष्ट॥ ॥
ॐ यजायते नत्वदगीनां न्याविः श्वयूयाः
नियमिगावरुव। यत्कामास्मि श्वयूमा
सुन्ना अमुवय ॐ स्यामयनयागरीर्षी
॥ ॥ ॐ कयानाश्चिग आरुवदूमासकाव
पशसखा॥ कया। यिष्ठयाव ता॥ ॥
ॐ कालिग्रसिसमूद्रस्य त्वाक्षि त्याडनया
मि। समाय अद्रिग्रमगसमा सवाक्षिग्र
षष्ठा॥ ॥ ॐ नमासुसय्य स्याय क
चय यिती अन। य अन विक्षयदि
विन स्य ४ सय्य स्थानम॥ ॥ ॐ क
ॐ कृत्स्न न केन वय। मय्या अय।
सासमूषाद्रिग्रजायथा॥ ॥ ॐ ॐ
त्वा नास्वा। ग ॐ समिधासदि विरयस्व
कावयस्व ग ॐ सरुस्व न ४ सरुस्व न
अन सय त्वा दं रु नमद द्वासा अदा
स्य चिगाव सास्व सिनयाग्रमसीया॥ ॥
ॐ वद्वयज्ञानी युधर्मयूगस्तु द्विसीम
ग ४ सूत्रयावन आ व ४ स वृश्वा डयर्म
अस्य विष्ठा ४ समश्चयानि समनश्च वि
व ४॥ ॥ ॐ ना अस्य सूददो रुस ४ सा

महं ध्यान क्रियः शयः शकः मंद वाचिः ॥

सिद्धिः शायनः नदिः वः ॥ ॐ सफः सफः

यः यः निदिः नाः ॥ शयः सफः यः यः निदिः

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥

यः सफः सफः ॥ सफः सफः ॥ सफः सफः ॥